of the Lok Sabha for the term beginning on the 1st May, 2005 and ending on the 30th April, 2006, and do proceed to elect, in such manner as the Chairman may direct, seven Members from among the Members of the House to serve on the said Committee."

The question was put and the motion was adopted.

MOTION FOR ELECTION TO THE COMMITTEE ON THE WELFARE OF SCHEDULED CASTES AND SCHEDULED TRIBES

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS, MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI SURESH PACHOURI): Sir, I beg to move the following Motion:

"That this House resolves that the Rajya Sabha do join in the Committee of both the Houses on the Welfare of Scheduled Castes and Scheduled Tribes for the term beginning on the 1st May, 2005 and ending on the 30th April, 2006, and do proceed to elect, in accordance with the system of proportional representation by means of single transferable vote, ten Members from among the Members of the House to serve on the said Committee".

The question was put and the motion was adopted.

MATTER RAISED WITH PERMISSION

Demand for Tabling Justice Nanavati Commission's Report

SHRI S. S. AHLUWALIA (Jharkhand): Mr. Deputy Chairman, Sir, I would like to mention something very important. Sir, in the riots in the capital city of Delhi and other places of the country that followed the unfortunate assassination of Prime Minister, Indira Gandhi on 31st October, 1984, thousands of innocent lives of members of Sikh community perished rendering the entire nation shocked. People waited for the last two decades to know particularly, about the forces, which instigated the riots, and steps which are needed to be initiated to prevent recurrence of such heinous crimes in future. In May, 2000, the NDA Government had constituted a

Commission of Inquiry headed by justice G.T. Nanavati, retired Judge of Supreme Court which as per the media reports have submitted its complete report on 8th February, 2005. Although, more than a month elapsed since then and the Parliament has been in Session since 25th February, 2005, but the Government seems to have ignored the anxiety of the people by continuing to withhold the Report; whereas, it is incumbent upon the Government to submit the Report promptly to Parliament and ensure full-fledged discussion, particularly with a view to render justice to the victims of these riots. Thank you.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Whether the Government has to say anything on this...*(Interruptions)*...

SHRI S.S. AHLUWALIA: Sir, so many people were killed...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Ahluwalia, you have made your point ...*(Interruptions)*...

श्री मूल चन्द मीणा (राजस्थान): आप मिनिस्टर की बात तो सुन लीजिए। ...(व्यवधान)...

SHRI S.S. AHLUWALIA: Sir, so many people are screaming for justice ...*(Interruptions)*...But, so far, no justice has been done to those victims ...*(Interruptions)*...

SHRI SANTOSH BAGRODIA (Rajasthan): Would he not like the Government to respond? ...*(Interruptions)*... The Chair has given permission to raise it ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: You have made your point, Mr. Ahulwalia ...*(Interruptions)*...

SHRI SANTOSH BAGRODIA: Even now they are intending to walk-out ...*(Interruptions)*...

श्री उपसभापति: आपने चेयरमैन की परमीशन ली। ...(व्यवधान)... You have raised the issue. Let the Government respond to it ...*(Interruptions)*... The Government wants to respond. अब सुनना चाहिए मंत्री जी का जवाब। ...(व्यवधान)... The Government wants to respond ...*(Interruptions)*...

Please listen to the Government ...(*Interruptions*)...

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया : क्या सुनना है, साहब? सरकार की गलती है कि अभी तक इस पर कोई कार्रवाई नहीं की गई और न रिपोर्ट को सदन के पटल पर रखा गया। इतने दिन हो गए। ...(**व्यवधान**)... सदन में इसकी घोषणा तत्कालीन उप प्रधानमंत्री द्वारा की गई है। ...(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Ahluwaliaji, the Government wants to respond to it. Please, listen to the Government ...*(Interruptions)*...

SHRI SANTOSH BAGRODIA: This is the decision of the Government ...*(Interruptions)*...

You cannot question the decision of the Government ...*(Interruptions)*...

The Minister said that the Government will look into it ...*(Interruptions)*... Sir, they cannot force the Government to do whatever they want ...*(Interruptions)*...

श्री शरद अनंत राव जोशी (महाराष्ट्र): उपसभापति जी, हमें समझ में तो आए कि क्या लिखा है चिट्ठी में?

श्री उपसभापति : उन्होंने वही खत पढ़ा है।

श्री शरद अनंत राव जोशी: पूरा नहीं हुआ, सर।

श्री उपसभापति: नहीं पूरा हुआ है। जो उन्होंने खत दिया है, वह पूरा पढ़ा है।

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सुरेश पचौरी): आदरणीय उपसभापति महोदय, 31 अक्तूबर, 1984 को विश्व-नेत्री श्रीमती इंदिरा गांधी जी की निर्मम व दुर्भाग्यपूर्ण हत्या हुई थी। दिल्ली और देश के अनेक भागों में दुर्भाग्यपूर्ण दंगे हुए, जिससे अनेक निर्दोष लोग मारे गए। इसका न केवल दुख है बल्कि इसके लिए क्षमा-प्रार्थी भी हैं। इस विषय में विस्तार से जांच करने के लिए, जैसाकि माननीय सदस्य अहलुवालिया जी ने बताया, नानावती कमीशन का गठन किया गया और उस नानावती कमीशन ने अपनी रिपोर्ट सरकार को प्रस्तुत कर दी है। इस रिपोर्ट के परिप्रेक्ष में नियमानुसार क्या कदम उठाए जाएं, इसका परीक्षण सरकार कर रही है और जैसे ही किसी नतीजे पर पहुंचेंगे, उसकी जानकारी हम इस सदन को देंगे।

श्रीमती सुषमा स्वराज (उत्तरांचल): नहीं, सर।...(**व्यवधान**)... उपसभापति जी, मुझे कुछ कहना है। ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति: आप बैठिए। ...(व्यवधान)...कोई एक बोलिए। ...(व्यवधान)...

श्रीमती सुषमा स्वराज: उपसभापति जी, यह सरकार रिपोर्टों को सदन में रखने के लिए दोहरे मानदंड अपना रही है। एक तरफ यू॰ सी॰ बनर्जी की अंतरिम रिपोर्ट आई है, उस पर सरकार ने कोई देखा नहीं कि इसमें क्या करना है या किसी नतीजे पर पहुंचेंगे तब सदन में रखेंगे, लेकिन रेल बजट के साथ ही यह रिपोर्ट संसद में रख दी गई। नानावती कमीशन की रिपोर्ट, नानावती जी 9 फरवरी को सरकार को दे चुके हैं। ...(व्यवधान)...सर, इस संसद का यह अधिकार है कि वह रिपोर्ट सदन में रखी जाती और उस पर सदन चर्चा करता। ...(व्यवधान)...सर, यह सदन का अधिकार है और जब नानावती कमीशन ने अपनी रिपोर्ट सरकार को दे दी थी तो सत्र शुरू होने के पहले दिन ही वह रिपोर्ट यहां रखी जाती। ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति: देखिए, The hon. Chairman has allowed you to mention it ...*(Interruptions)*... The Government has responded to your mention ...*(Interruptions)*... What else you want? ...(*interruptions*)...

श्री सुरेश पचौरी: उपसभापति जी, जिस बनर्जी कमेटी की रिपोर्ट का जिक्र सम्मानित सुषमा जी ने किया, वह रेल विभाग द्वारा गठित कमेटी की रिपोर्ट है। ...(व्यवधान)...

श्रीमती सुषमा स्वराज: सर, मैं वही कह रही हूं यदि यह अंतरिम रिपोर्ट आप सदन में रख सकते हैं, तो नानावती कमीशन की रिपोर्ट, जो 9 फरवरी को आपके पास आई, उसे इस संसद में क्यों नहीं रखा गया? ...(व्यवधान)...

श्री सुरेश पचौरी: सर, नानावती कमीशन, कमीशन ऑफ इन्क्वयारी के तहत बनाया गया कमीशन है। दोनों में अंतर है। ...(व्यवधान)...

श्रीमती सुषमा स्वराज: सर, यह सदन का अधिकार है। ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति: आपने अपना इश्यू रेज किया और उस पर गवर्नमेंट ने रेस्पोंड किया है। अब आप चाहते क्या हैं? ...(व्यवधान)...

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: उपसभापति महोदय, इसी सदन में श्री के॰ आर॰ मूलकानी के सवाल का जवाब देते हुए ...(व्यवधान)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The House is adjourned till 1 0' clock.

The House then adjourned at forty minutes past twelve of the clock.

The House reassembled at one of the clock,

[MR. DEPUTY CHAIRMAN in the Chair]

THE BUDGET RAILWAYS (2005-06)... contd.

रेल मंत्री (श्री लालू प्रसाद): जाइए, आप लोग जाइए, जाइए।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: now, the Hon. Railway Minister will reply. *(Interruptions)* आप लोग बैठ जाइए। (व्यवधान...) आप लोग बैठिए। (व्यवधान...)। Mr.Narayanasamy, let the hon. Minister reply. *(Interruptions)*

SHRIMATI SAVITA SHARDA (Gujarat): Sir, this is not the way. *(Interruptions)*

श्री लालू प्रसाद: आप लोग जाना चाहते हैं तो जाइए। (व्यवधान...)

श्री उपसभापति: जब वे लोग जवाब सुनना ही नहीं चाहते तो हम लोग क्या कर सकते हैं।

श्री दीपांकर मुखर्जी: (पश्चिमी बंगाल): माननीय सभापति जी, श्री प्रमोद महाजन जी को रुकना चाहिए। (व्यवधान...) Sir, Shri Pramod Mahajan had initiated the debate. *(Interruptions...)* He initiated the debate *(Interruptions)*. He should listen to the reply. *(Interruptions)* Sir, you can request from the Chair... *(Interruptions)* Sir, he initiated the debate, let him be here. *(Interruptions)* Sir, Mr Pramod Mahajan is a very senior Member. He had initiated this debate. *(Interruptions)* I think that he should listen to the reply. *(Interruptions)*

MR DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Narayanasamy, you are doing the same thing again. *(Interruptions)*

श्री रूद्रनारायण पाणि (उड़ीसा): आप ही ने तो पहले कहा था कि तुम जाओ इसलिए हम जा रहे हैं। (व्यवधान...)

(At this stage, some hon. Members left the Chamber)

श्री लालू प्रसाद: माननीय उपसभापति जी, मुझे अब यह पक्का विश्वास हो गया है कि जब सदन में रेल मंत्री खड़े होते हैं तब भाजपा के लोगों को यह आशंका रहती है कि कहीं रेल इनके ऊपर न चढ़ जाए। जब-जब मैं खड़ा होता हूं तब-तब ये लोग पीठ दिखा कर चले जाते हैं। ये इतने बहादुर लोग हैं कि हमें फेस नहीं कर पाते।

उपसभापति महोदय, सबसे पहले मैं उन सभी माननीय सदस्यों को धन्यवाद देता हूं, जिन्होंने रेल बजट 2005-06, चालू वित्तीय वर्ष 2004-05 के लिए सदन में प्रस्तुत की गई अनुदान व पूरक